

---

---

---

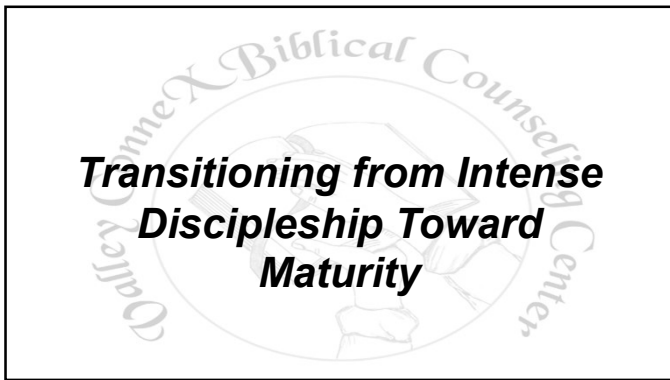
---

---

---

---

---



**Transitioning from Intense  
Discipleship Toward  
Maturity**

---

---

---

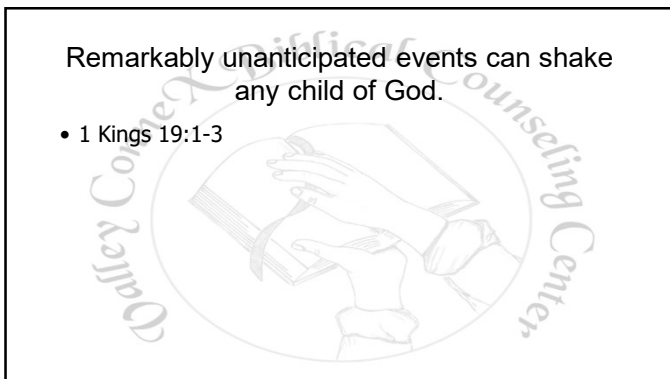
---

---

---

---

---



Remarkably unanticipated events can shake  
any child of God.

- 1 Kings 19:1-3

---

---

---

---

---

---

---

---

Intense discipleship becomes necessary when one's focus turns inward.

- 1 Kings 19:4



---

---

---

---

---

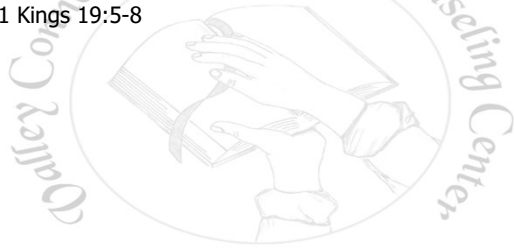
---

---

---

Recognize the healing power of rest and time.

- 1 Kings 19:5-8



---

---

---

---

---

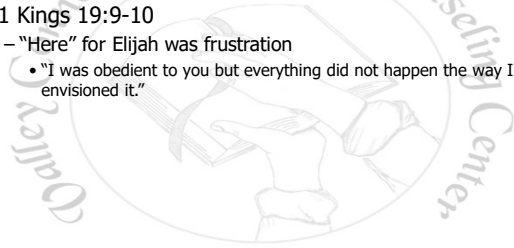
---

---

---

A great diagnostic question: "What are you doing here?"

- 1 Kings 19:9-10
  - "Here" for Elijah was frustration
    - "I was obedient to you but everything did not happen the way I envisioned it."



---

---

---

---

---

---

---

---

The way forward begins with a refocus on the personal presence of the LORD.

- 1 Kings 19:11-14
  - A needed reminder of the power of God
  - A fresh experience with the personal presence of God.
    - The point at which our objections and frustrations stop drowning out the "sound of a low whisper".
    - Our perception of who God is and who we are come into proper perspective.
  - The follow-up question: "What are you doing here?" reveals that the circumstances have not changed.

---

---

---

---

---

---

---

---

The transition to ongoing maturity involves continued obedience to the revealed will of God.

- 1 Kings 19:15-17



---

---

---

---

---

---

---

---

The transition to ongoing maturity requires the revelation that it is not all about you.

- 1 Kings 19:18



---

---

---

---

---

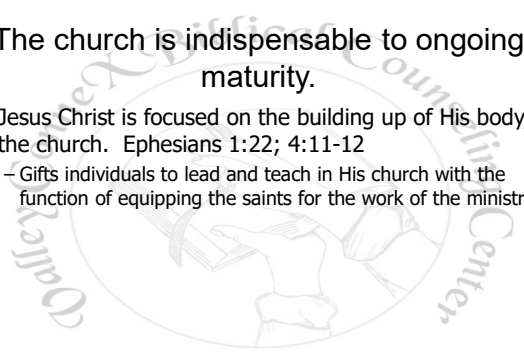
---

---

---

The church is indispensable to ongoing maturity.

- Jesus Christ is focused on the building up of His body, the church. Ephesians 1:22; 4:11-12
  - Gifts individuals to lead and teach in His church with the function of equipping the saints for the work of the ministry



---

---

---

---

---

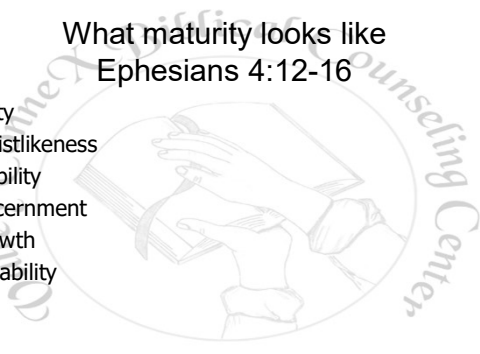
---

---

---

What maturity looks like  
Ephesians 4:12-16

- Unity
- Christlikeness
- Stability
- Discernment
- Growth
- Reliability



---

---

---

---

---

---

---

---